कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BHDC–133

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य)

(बी.ए.जी.) (सी.बी.सी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एच.डी.सी–133 : आधुनिक हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***पहला*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(अ) नैना वह छवि नाहिन भूलै।

दया भरी चहुँ दिसि की चितवनि नैन कमल दल फूले।

वह आवनि वह हँसनि छबीली वह मुस्कनि चित चोरे।

वह बतरानि मुरलि हरि की वह देखन चहूँ कोरे।

वह धीरी गति कमल फिरावन कर लै गायन पाछे।

वह बीरी मुख वेनु बजावति पीत पिछौरी काछ।

(ब) सखि, वे मुझसे कहकर जाते।

हुआ न यह भी भाग्य अभागा,

किस पर विफल गर्व यह जागा ?

जिसने अपनाया था, त्यागा,

रहे स्मरण ही आते।

(स) बीती विभावरी जाग री

अम्बर पनघट में डुबो रही—

तारा-घट ऊषा नागरी।

खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा,

किसलय का अंचल डोल रहा,

लो यह लतिका भी भर लाई-

मधु मुकुल नवल रस गागरी।

(द) काल्पना के ये विहवल बाल,

आँख के अश्रु, हृदय के हास,

वेदना के प्रदीप ज्वाल,

प्रणय के ये मधुमास

सुछवि के छाया वन की साँस

भर गई इनमें हाव, हुलास।

(य) दूसरी होगी कहानी,

शून्य में जिसके मिटे स्वर, धूलि में खोई निशानी,

आज जिस पर प्रलय विस्मित,

मैं लगाती चल रही नित,

मोतियों की हाट औ,

चिनगारियों का एक मेला!

2. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

3. द्विवेदीयुगीन साहित्यिक प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए। 16

4. एक कृति के रूप में 'प्रिय प्रवास' के महत्व की चर्चा कीजिए। 16

5. मैथिलीशरण गुप्त के इतिहासबोध और मानवतावादी दृष्टिकोण पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 16

6. रामनरेश त्रिपाठी के काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

7. एक कवि के रूप में जयशंकर प्रसाद का मूल्यांकन कीजिए। 16

8. महादेवी वर्मा के काव्य की अन्तर्वस्तु को रेखांकित कीजिए। 16

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×8=16

(अ) प्रताप नारायण मिश्र

(ब) नाथूराम शंकर शर्मा और सियारामशरण गुप्त

(स) निराला की भाषा

(द) पंत और प्रकृति